



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय  
कानपुर, उत्तर प्रदेश



## मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-04-2025

उत्तराव(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-04-17 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-04-18	2025-04-19	2025-04-20	2025-04-21	2025-04-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	1.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	40.0	41.0	40.0	41.0	42.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	26.0	27.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	63	63	71	66	54
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	31	32	28	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	15	14	7	6
पवन दिशा (डिग्री)	124	104	110	117	334
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	2	4	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

### पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, प्रथम तीन दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण 19 अप्रैल, 2025 तक गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा, आंधी-तूफान, तेज सतही हवाएं चलने तथा शेष दिनों में आसमान साफ रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 40.0-41.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 2-3°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 25.0-27.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 3-4°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता का अधिकतम एवं न्यूनतम दायरा 54-71 तथा 25-31% के मध्य है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम है तथा हवा की गति 7.0-15.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 6-7 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

### मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-20 अप्रैल 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं के साथ आंधी, बिजली, हल्की बारिश की चेतावनी है।

### मौसम चेतावनीयों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे दिनांक 19-20 अप्रैल, 2025 के मध्य गरज-चमक एवं तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा और गर्म रात्रि रहने की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसल की मड़ाई शीघ्र पूरा करने के पश्यात दाने को संरक्षित कर सुरक्षित स्थान पर रख लें।

### सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विगत सप्ताह हुई वर्षा से यदि कटी हुई फसल बरसात में भीग गई है तो उसे धूप में अच्छी तरह सुखाकर मड़ाई करने के पश्चात् दाने को संरक्षित करें तथा पकी हुई फसल की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा करें, कटी हुई फसल का बंडल तुरन्त बना लें, कटी हुई फसल को खेत में खुला न छोड़ें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

### लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि दिनांक 18 -21 अप्रैल, २०२५ के मध्य गरज-चमक, तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसलों की मड़ाई कर दाने को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें।

### फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्षा की संभावना को देखते हुए गेहूँ के खेतों से अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। गेहूँ के फसल की कटाई के पश्चात् बण्डल अवश्य बांधे ताकि तेज हवाओं की वजह से लॉक उड़ न सके तथा थ्रेशिंग का कार्य सायंकाल व रात्रि के समय हवा शांत होने पर करें। भंडारण के लिए गेहूँ को कड़ी धूप में इतना सुखाना चाहिए कि उसमें से नमी का मात्रा 8 -10% से अधिक न रहे। भंडारण से पूर्व कुठले या भण्डार घर को कीटनाशी से विसंक्रमित कर ले।
मक्का	वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में सिंचाई/उर्वरक /कीटनाशी /रोगनाशी का कार्य छिड़काव स्थगित रखें साथ ही अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। मक्के की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। मक्के की फसल में तना बेधक /प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा डाइमैथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में सिंचाई/उर्वरक /कीटनाशी /रोगनाशी का कार्य छिड़काव स्थगित रखें साथ ही अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। उर्द की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। उर्द की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाइमैथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मूँग	वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में सिंचाई/उर्वरक /कीटनाशी /रोगनाशी का कार्य छिड़काव स्थगित रखें साथ ही अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। मूँग की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। मूँग की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाइमैथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

### बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	वर्षा की संभावना को देखते हुए खेतों में सिंचाई/उर्वरक /कीटनाशी /रोगनाशी का कार्य छिड़काव स्थगित रखें साथ ही अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। प्याज की खुदाई का सबसे अच्छा समय 50 % पत्तियाँ गिरने के एक सप्ताह बाद करें। प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है, अतः इसके रोकथाम हेतु मिथाइल -ओ -डिमेटान 25% ई.सी. 1.5 लीटर /हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में रोपी गई सब्जियों टमाटर, बैंगन एवं मिर्च की फसलों में निराई -गुड़ाई कर सिंचाई का कार्य करें। ग्रीष्मकालीन में बोई गई कद्दू, लौकी, तरौई, करैला, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा आदि की तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजें।
आम	आम, अमरूद, नींबू, बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

### पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात्रि के समय खुले स्थान पर बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर या पेड़ की छाया में बांधें। पशुओं को हरा चारा तथा आसानी से पचने वाला खनिज मिश्रण और नमक खिलायें। पशुओं को स्वच्छ साफ एवं ठण्डा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के मध्य चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें।

### मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु मुर्गी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गी हाउस का तापमान कम करने के लिए शेड की छत को पुवाल से ढक दें।

### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 19-20 अप्रैल 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं के साथ आंधी, बिजली, हल्की बारिश की चेतावनी है।

### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे दिनांक 19-20 अप्रैल, 2025 के मध्य गरज-चमक एवं तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा और गर्म रात्रि रहने की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसल की मड़ाई शीघ्र पूरा करने के पश्चात दाने को संरक्षित कर सुरक्षित स्थान पर रख लें।

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>